पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

सुख और दुःख मन की भावना होती है - राज्यपाल

लखनऊः 9 अप्रैल, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज भगवान श्री लक्ष्मी नारायण धाम द्वारा कांशीराम स्मृति उपवन में आयोजित प्रभु कृपा दुःख निवारण समागम में महामण्डलेश्वर ब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी से भेंट की तथा उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। समागम में श्री अरूण गोविल अध्यक्ष आयोजन समिति, श्री सुशील वर्मा गुरूदास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में राज्यपाल को 'देश रत्न' सम्मान व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। महामण्डलेश्वर ब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने राज्यपाल को अपनी आध्यात्मिक पुस्तक 'मयखाना' एवं 'काॅस्मिक साईस' नामक पुस्तक भेंट की।

राज्यपाल ने प्रभु कृपा दुःख निवारण समागम के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि सुख और दुःख मन की भावना होती है। सुख बांटने से बढ़ता है और दुःख बाटने से घटता है। गीता का पवित्र गं्रथ हमारे लिये आदर्श है जो यह बताता है कि बिना फल की आशा किये अपने कर्तव्य पथ पर कैसे चलना चाहिये। राज्यपाल ने छत्रपति शिवाजी के गुरू स्वामी रामदास का एक श्लोक भी उद्धृत किया। ऐसे समागम के माध्यम से दुःख और पीड़ा समाप्त करने का विश्वास पैदा होता है तो दुःख स्वतः समाप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि गीता का अनुसरण करने वाले को आनन्द और समाधान मिलता है।

समागम में महामण्डलेश्वर ब्रह्म ऋषि श्री कुमार स्वामी जी द्वारा राज्यपाल को राष्ट्र के प्रति अद्भुत राजनैतिक कौशल, सामाजिक कल्याण और विकास के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान के लिये 'देश रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने सम्मान को स्वीकार करते हुये कहा कि 'मैं बड़ा कृतज्ञ हूँ और नम्रता से आप सबको तथा प्रदेश की जनता को आश्वस्त करता हूँ कि आपके विश्वास योग्य रहने की कोशिश करूंगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात कलाकार श्री अरूण गोविल द्वारा किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (130/9)